काट दिए मेरा रोग भुतड़े बोलं सिर चढ़ के लिरिक्स

काट दिए मेरा रोग भुतड़े,
बोलं सिर चढ़कं बोलं सिर चढ़कं,
तेरा भवन मन्नै लिया स बाबा,
सुणले गिर पड़ क:।bd।

तेरे चरणां में अर्जी लादी,
और लादी दरखास मन्नै,
पेशी के दो लाडु खाए,
जब आया विस्वास मन्नै,
जब तन्नै बाबा सोटा ठाया,
दिल धड़क धड़क धड़के।bd।

होए पड़ोसी भी तंग बाबा,
मेरी बिमारी तं,
बालक भी रहं डरे डरे,
इनकी किलकारी तं,
सांस नन्द कहं पाखंडी,
या पिटै पाकड़ क।bd।

सयाणां ने चौराहे पुजे,
पुजवाए समसाण,
सतबीर भक्त ने बालाजी,
फेर दिवाया ध्यान,
वो बोलया मेंहदीपुर जा क्युं,
जगह जगह भटके।bd।

काट दिए मेरा रोग भुतड़े,
बोलं सिर चढ़कं बोलं सिर चढ़कं,
तेरा भवन मन्नै लिया स बाबा,
सुणले गिर पड़ क:।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार जी।
खरक जाटान(रोहतक)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
9992976379

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com